

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

बच्चों के लिए बाइबल

पाठ 11 — मैं यीशु जैसा बन सकता हूँ

मैं पढ़ सकता हूँ

“आपको अपने जीवन में यीशु मसीह की तरह सोचना और व्यवहार करना चाहिए।”

— फिलिप्पियों 2:5

मेरी कहानी

आप किसके जैसे दिखते हैं?

अपनी माँ के? अपने पिता के? अपने दादा के?

लोग मुझसे कहते हैं कि मैं अपने पिता जैसा दिखता हूँ, और मुझे यह अच्छा लगता है। पिताजी के बाल भूरे हैं। मेरे बाल भी भूरे हैं। पिताजी की नाक बड़ी है। मेरी नाक भी बड़ी है। पिताजी के कान छोटे और नुकीले हैं। मेरे कान भी छोटे और नुकीले हैं। लेकिन मेरे पिताजी की एक और बात है, जिसके जैसा मैं बनना चाहता हूँ। पिताजी बहुत मुस्कुराते हैं। मेरा मतलब है, बहुत-बहुत मुस्कुराते हैं!

वे अपने काम की जगह पर लोगों को देखकर मुस्कुराते हैं। वे कूड़ा उठाने वाले व्यक्ति को देखकर मुस्कुराते हैं। वे सड़क के किनारे खड़े पुलिस अधिकारी को देखकर मुस्कुराते हैं। वे उन लोगों को देखकर भी मुस्कुराते हैं, जो उन्हें देखकर नाराज़ होते हैं।

एक दिन हम फुटपाथ पर चल रहे थे। एक फूलों की दुकान के सामने एक बुजुर्ग महिला बेंच पर बैठी थी। मेरे पिताजी ने उससे मुस्कुराते हुए कहा, “नमस्ते।” बूढ़ी महिला ने बस भौंहेँ सिकोड़ लीं और दूसरी तरफ देखने लगी। मेरे पिताजी रुक गए, कुछ देर सोचा और फिर दुकान के अंदर चले गए।

थोड़ी देर बाद वे हाथ में एक सुंदर फूल लेकर बाहर आए। वे उस महिला के पास गए, जो दुकान के सामने उदास बैठी थी, और उससे कहा, “नमस्ते। मैं और मेरा बेटा चाहते हैं कि आप यह सुंदर फूल रखें। मुझे आशा है कि यह फूल आपको आपके जीवन के किसी खुशी के समय की याद दिलाएगा—शायद उस समय की, जब आप छोटी लड़की थीं।” फिर उन्होंने वह फूल उस उदास महिला को दे दिया।

पिताजी ने उससे कहा, “हम चलते हैं।” फिर हम वहाँ से चले गए। मैंने पीछे मुड़कर देखा कि वह महिला क्या करेगी।

क्या आप जानते हैं? वह अब भौंहेँ नहीं सिकोड़ रही थी। वह वहाँ बैठी सुंदर फूल को सूँघ रही थी और बहुत बड़ी मुस्कान के साथ मुस्कुरा रही थी।

हाँ, यही मेरे पिताजी हैं। वे चाहते हैं कि हर कोई खुश रहे—यहाँ तक कि फूलों की दुकान के सामने बैठी नाराज़ बूढ़ी महिलाएँ भी।

क्या आप जानते हैं? मैं भी लोगों को खुश करना चाहता हूँ—यहाँ तक कि उन लोगों को भी जिन्हें मैं नहीं जानता।

जब मैं अपने पिताजी जैसा दिखता हूँ, तब मुझे उनके जैसा व्यवहार भी करना चाहिए।

जब मैंने पिताजी से पूछा कि वे इतना क्यों मुस्कुराते हैं और लोगों के साथ अच्छी बातें क्यों करते हैं, तो उन्होंने एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, “मैं एक मसीही हूँ। मैं यीशु जैसा बनना चाहता हूँ। यीशु हमेशा लोगों को देखकर मुस्कुराते थे, लोगों की मदद करते थे और उन्हें अच्छा महसूस कराते थे। जब यीशु मेरे दिल में हैं, तो मुझे भी दूसरों से अलग व्यवहार करना चाहिए।”

यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी। मेरे पिताजी मेरे पिताजी हैं। उन्होंने और मेरी माँ ने मिलकर मुझे बनाया है। इसलिए मैं उनके जैसा व्यवहार करना चाहता हूँ। शायद आप अपने पिताजी जैसा दिखना या उनके जैसा व्यवहार करना नहीं चाहते। यह ठीक है, कुछ पिताओं ने अभी तक यीशु को अपने दिल में आने का निमंत्रण नहीं दिया है। लेकिन आप अपने स्वर्गीय पिता जैसा व्यवहार कर सकते हैं।

आप दयालु और प्रेम करने वाले, मदद करने वाले और दूसरों का सम्मान करने वाले बन सकते हैं।

और आप लोगों को खुश कर सकते हैं। वैसे, अगले दिन जब हम उसी फूलों की दुकान के पास से गुज़रे, तो वही बूढ़ी महिला उसी बेंच पर बैठी थी। लेकिन इस बार उसमें कुछ अलग था। वह मुस्कुरा रही थी।

मज़ेदार बातें

ज्यादा मुस्कुराएँ!

- अगर आपका मूड खराब है, तब भी खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर करने से आप तुरंत बेहतर महसूस कर सकते हैं।

- वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि भौंहें सिकोड़ने में मुस्कुराने की तुलना में शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है और ज्यादा मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है।

मुस्कान खुशी का एक ऐसा संकेत है जिसे पूरी दुनिया समझती है:

हाथ मिलाने, गले मिलने और झुककर अभिवादन करने के अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं। लेकिन मुस्कान को पूरी दुनिया और सभी संस्कृतियों में खुशी और अपनापन दिखाने का संकेत माना जाता है।

मेरी बाइबल

जब आप एक स्वस्थ पौधा उगाना चाहते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि उसे कुछ जरूरी चीज़ें मिलें। उन चीज़ों के चारों ओर गोला बनाएँ जो पौधे को बड़ा और मजबूत बनने में मदद करेंगी। जब आप यीशु की तरह व्यवहार करते हुए बड़े होना चाहते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपको कुछ जरूरी चीज़ें मिलें। उन चीज़ों के चारों ओर गोला बनाएँ जो आपको यीशु की तरह बनने में मदद करेंगी। यीशु कोई भी काम करने से पहले बहुत सोचते थे। वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि वे जो भी करें, उससे स्वर्ग में उनके पिता प्रसन्न हों। यीशु किस बारे में सोचते थे?

प्रेरित पौलुस हमें इसका एक संकेत देता है। पुस्तकालय में फिलिप्पियों 4:8 खोजें और नीचे दिए गए शब्दों में खाली अक्षरों को भरें।

याद रखें, जो व्यक्ति यीशु जैसा बनना चाहता है, वह इन्हीं बातों के बारे में सोचता है।

पौलुस कहता है कि हमें उन बातों के बारे में सोचना चाहिए जो हैं:

G _ _ D —अच्छा

W _ _ TH _ OF P _ _ SE —प्रशंसा के योग्य

T _ _ E —सच्चा

H _ N _ R _ B _ E —आदर के योग्य

R _ _ _ _ T —सही

P _ R _ —शुद्ध

B _ _ _ T _ F _ L —सुन्दर

R _ _ E _ _ ED —प्रशंसनीय

Smile — मुस्कान

मेरी प्रार्थना

हे यीशु, मुझे अपने जैसा बनने के लिए बुलाने के लिए आपका धन्यवाद।

कभी-कभी यह आसान नहीं होता, लेकिन आपने मुझे दिखाया है कि मुझे कैसे जीवन जीना चाहिए।

मैं जानता हूँ कि आप हर कदम पर मेरी मदद करेंगे। आमीन।

पुस्तकालय

“भाइयो, उन बातों के बारे में सोचते रहो जो अच्छी हैं और प्रशंसा के योग्य हैं। उन बातों के बारे में सोचो जो सच्ची, आदर के योग्य, सही, शुद्ध, सुंदर और सम्मानित हैं।”

— फिलिप्पियों 4:8

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“मसीह की शिक्षा के द्वारा शिष्यों को अपनी आत्मा की आवश्यकता को महसूस करना सिखाया गया था...

मसीह उनके विचारों में पूरी तरह से बस गए थे... उनके मन और चरित्र उनके स्वामी के समान बन गए थे।”

द एक्ट्स ऑफ द एपोसल्स (प्रेरितों के काम), पृष्ठ 45

ऐसी कौन-सी बातें हैं जिनके बारे में सोचना आपको अच्छा लगता है और जिन्हें सोचकर आप खुश होते हैं?